C-10

Concept of Special Education :-

विशिष्ट शिक्षा का आशय उस शिक्षा व्यवस्था से होता है जो कि छात्र विशेष को उसकी शारीरिक असामान्यता के अनुरूप प्रदान की जाती है।

विशिष्ट बालक वह होते हैं जो शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक या सामाजिक गुणों में औसत से भिन्न होते हैं। (कार्यों, गुणों, ...)

V.J. Hunt के अनुसार :- "विशिष्ट बालक वे हैं जो शारीरिक, संवेगात्मक या सामाजिक विशेषताओं में सामान्य बालकों से इतने पृथक हैं कि उनकी क्षमताओं के अधिकतम विकास के लिए विशिष्ट शिक्षा सेवाओं की आवश्यकता होती है।

साधारण शब्दों में विशिष्ट शिक्षा से अभिप्राय उस शिक्षा से है जो विशिष्ट बालकों को दी जाती है। ~~जिनमें~~ जो प्रतिभाशाली एवं पिछड़े बालकों को ~~दी जाती है~~

Definition of Special Education :-

Prof. S.K. Dubey के अनुसार :- "विशिष्ट शिक्षा का आशय उस शिक्षा से है, जो सामान्य स्तर के छात्रों से अधिक या कम मानसिक एवं शारीरिक स्तर के छात्रों को प्रदान की जाती है।

श्रीमती R.K. Sharma के अनुसार :- "विशिष्ट शिक्षा उन सभी छात्रों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा है, जो निश्चित वातावरण में उचित कार्य नहीं कर पाते हैं। इस प्रकार के छात्र प्रतिभाशाली एवं शारीरिक रूप से अक्षम दोनों रूप में हो सकते हैं।"

Scanned with CamScanner

Own Mind के अनुसार :- विशिष्ट शिक्षा किसी एक श्रेणी के छात्रों के लिये नहीं होती ~~बल्कि~~ एवं उन सभी छात्रों के लिये होती है, जिनको उनकी आवश्यकता होती है।

विशेष शिक्षा की विशेषताऐं

Characteristics of special Education :-

(i) विशिष्ट शिक्षा उन छात्रों के लिये होती है, जो कि एक निश्चित शैक्षिक वातावरण में सामान्य रूप से कार्य नहीं कर पाते हैं।

(ii) विशिष्ट शिक्षा की संरचना में छात्रों की योग्यता एवं मानसिक स्तर का विशेष ध्यान रखा जाता है।

(iii) विशिष्ट शिक्षा का पाठ्य क्रम एवं विधियाँ सामान्य शिक्षा के पाठ्यक्रम एवं विधियों से भिन्न होता है।

(iv) विशिष्ट शिक्षा प्रतिभाशाली एवं शारीरिक अक्षमता से युक्त छात्रों के लिये ही होती है।

(v) विशिष्ट शिक्षा साधारण शिक्षा का एक रूपांतर है।

(vi) विशिष्ट शिक्षा योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से प्रदान की जाती है।

विशिष्ट शिक्षा के उद्देश्य (Objectives of Special Education)

(i) प्राथमिक विद्यालयों द्वारा छात्रों की विशिष्टता की पहचान करना तथा उनके अनुरूप शिक्षण की व्यवस्था करना।

Scanned with CamScanner

(ii) शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों के लिये विशिष्ट पाठ्यक्रम एवं विशिष्ट शिक्षण विधियों की व्यवस्था करना, जिससे बच्चों का शैक्षिक स्तर उच्च हो सके।

(iii) सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार के अधिनियम बनाकर शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों के प्रभाव को मुख्य धारा में सम्मिलित किया जाना।

(iv) विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के सहगामी क्रियाओं का संचालन करके छात्रों का बहुमुखी विकास पर बल देना।

(v) शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों को आरक्षण प्रदान कर बढ़ावा देना जिससे वो उच्च शिक्षा ~~प्राप्त~~ भी आसानी से प्राप्त कर सकें।

(vi) सरकार द्वारा विशिष्ट बालकों की शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान प्रक्रिया (Research programme) को बढ़ावा देना जिससे नवीन ज्ञान की खोज कर सके और विधियों का प्रयोग कर सकें।

(vii) विशिष्ट शिक्षा में प्रतिभाशाली बालक एवं बालिकाओं के लिये सामान्य बालक एवं बालिकाओं से पृथक पाठ्यक्रम तैयार ~~करना~~ होना चाहिये।

C-10

Importance of Social Science (सामाजिक विज्ञान का महत्व)

Concept / Introduction of Integrated Education :-

समन्वित / एकीकृत / समाकलित / संमेकित शिक्षा अवधारणा / परिचय :-

एकीकृत शिक्षा शारीरिक व मानसिक रूप से बाधित बालकों को सामान्य बालकों के साथ सामान्य कक्षा में शिक्षा प्राप्त करना या विशिष्ट सेवाएँ देकर विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए सहायता करती है।

Meaning of Integrated Education :-

एकीकृत शिक्षा शिक्षण की समानता व अवसर जो अपंगों को अब तक नहीं दिये गये, उनको मूल रूप से शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक आयाम है।

Definition of Integrated Education :-

हमके के अनुसार :- "समाकलित शिक्षा ऐसी शिक्षा है जिसमें बालक अपने परिवेश के कुछ पक्षों से सम्बन्धित विभिन्न विषयों में ज्ञान की व्यापक खोज करते हैं।"

Prof. S. K. Dubey के अनुसार :- "समाकलित शिक्षा का आशय उन विभिन्न क्रियाओं से है जिनके माध्यम से बालक सामाजिक वातावरण में तथा अपने परिवेश की विभिन्न स्थितियों में सीखता है तथा अपने ज्ञान को एक-दूसरे विषयों से सम्बन्ध करते हुए विविध विषयों का अधिगम

Scanned with CamScanner

C-10

एक साथ विभिन्न रूपों में करता है।

श्रीमती आर. के. शर्मा के शब्दों में :-

"समाकलन शिक्षा शिक्षण कार्य शिक्षक द्वारा प्रयोग की जाने वाली एक ऐसी व्यावहारिक क्रिया है जिसमें विविध विषयों का मिश्रित ज्ञान समाहित रहता है, उस प्रयास मार्ग से बालकों का सर्वांगीण विकास होता है।"

Characteristics of Integrated Education :-

(i) समन्वित शिक्षा द्वारा समर्थ व असमर्थ बच्चे एक-दूसरे के नजदीक आते हैं जिससे विद्यालय का वातावरण अच्छा बनता है।

(ii) यह शिक्षा 'सबके लिए शिक्षा' के अधिकार का अनुपालन करती है। यह शिक्षा जाति, रंग व धर्म आदि के आधार पर भेद भाव नहीं करती है।

(iii) यह शिक्षा विशिष्ट एवं सामान्य बच्चों के मध्य की शारीरिक अन्तर को स्पष्ट करती है।

(iv) यह शिक्षा अपंग बालकों को समान शिक्षा के अवसर प्रदान करती है जिससे वे समाज के अन्य लोगों की भाँति आत्मनिर्भर होकर अपना जीवनयापन कर सकें।

(v) यह शिक्षा कम खर्चीली है तथा सामाजिक एकीकरण को सुनिश्चित करती है।

(vi) समन्वित शिक्षा माता-पिता, अध्यापकों एवं शिक्षाविदों के सामूहिक प्रयास पर आधारित है।

शिक्षा का प्रकृति / प्रक्रिया — August 28

औपचारिक (Formal) — स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय

अनौपचारिक (Informal) — मंदिर, मस्जिद, समाज, परिवार

निरौपचारिक (Non-formal) — Distance Education

MARCH 25 SATURDAY

(vii) समन्वित शिक्षा विशिष्ट शिक्षा का नवीन एवं प्रगतिशील रूप है।

(viii) समन्वित शिक्षा समानता के सिद्धांत पर आधारित है।

(ix) समन्वित शिक्षा का आधार मनोवैज्ञानिक है।

Objectives of Integrated Education :-

(समाकलित / एकीकृत / समन्वित शिक्षा का उद्देश्य) :-

(i) एकीकृत शिक्षा के द्वारा विशिष्ट बालकों का मानसिक विकास करना है तथा इससे उनमें आत्मविश्वास उत्पन्न होता है।

(ii) बालकों को जीवन के वास्तविक अनुभवों से परिचित कराना, जिससे विद्यार्थी अपनी आवश्यकता के आधार पर जीवन में इन अनुभवों का प्रयोग करके अपने जीवन को सुखमय बना सकें।

(iii) इस शिक्षा के द्वारा विशिष्ट बालक बिना किसी भेदभाव के एकीकृत शिक्षा को प्राप्त कर सकते हैं।

(iv) परिवेशीय संसाधनों एवं प्राकृतिक संसाधनों का सर्वोत्तम प्रयोग समाकलन संबंधित अधिगम प्रक्रिया के माध्यम से किया जा सकता है।

(v) समाकलन संकेन्द्रित शिक्षा प्रक्रिया, औपचारिक एवं अनौपचारिक अधिगम प्रक्रिया के समन्वित रूप को प्रस्तुत करती है।

2017